भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 6257
गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026/12 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विमान सेवाओं का बाधित होना

6257. श्री इटेला राजेंदर:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम एशिया के देशों में चल रहे संघर्ष के कारण यूएई, दुबई और अन्य पश्चिमी एशियाई देशों से आने-जाने वाली विमान सेवाओं के बाधित होने का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रकार के व्यवधानों के कारण हुए अनुमानित नुकसान का ब्यौरा क्या है;

(ग) इसके परिणामस्वरूप रद्द की गई उड़ानों की संख्या कितनी है;

(घ) विमान सेवाओं के माध्यम से होने वाले निर्यात के संदर्भ में हुई हानि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) इन पश्चिम एशियाई देशों से वहां फंसे हुए और उनकी सुरक्षा के लिए निकाले गए छात्रों सहित यात्रियों को वापस लाने वाली विमान सेवाओं का देश-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) उक्त उद्देश्य के लिए स्वीकृत और खर्च की गई निधि का ब्यौरा क्या है और उक्त क्षेत्र से और अधिक यात्रियों/छात्रों को निकालने के लिए अधिक उड़ानें चलाने हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (च): भारतीय प्रचालकों को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट की वजह से हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों, परिचालन बाधाओं और मांग में कमी के कारण दिनांक 29 मार्च 2026 तक, 8,359 उड़ानों को रद्द करना पड़ा था।

भारतीय वाहकों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मौजूदा संकट के कारण उन्हें राजस्व का काफी नुकसान हो रहा है, जिसने उनके परिचालन और नेटवर्क योजना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

जारी संकट की शुरुआत से लेकर दिनांक 29 मार्च 2026 तक, भारतीय और विदेशी अनुसूचित वाहक पश्चिम एशियाई देशों से फंसे हुए 5,59,952 भारतीय यात्रियों को वापस लाए हैं।

******